विद्या सर्वार्थि साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा 1

कक्षा : बारहवीं

विषय: हिंदी

दिनांक : 20-07-2019

अधिकतम अंक 40

निर्धारित समय 2 घंटे

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं क ख ग।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंडों के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे सारी समस्याएँ बौनी हैं। लेकिन समस्या एक प्रतिभा को खुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाए दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है।

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है बजाए एक ख़ास विषय के विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्धा से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है क्योंकि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। वे आलोचना से भी डरते हैं और अपने काम में तारीफ़ ही तारीफ़ सुनना चाहते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान् माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग हैं। लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। इनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है जब यह हाथ आज़माना दख़ल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में - 'एके साधे सब सधै सब साधे सब जाय' का मंत्र शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(क) बहुमुखी प्रतिभा से क्या तात्पर्य है प्रतिभा से समस्या कब और कैसे उत्पन्न होती है (1)

(ख) लेखक ने प्रतिभाशाली लोगों की किन कमियों की ओर संकेत किया है (1)

(ग) बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है (1)

(घ) प्रबंधन के क्षेत्र में कैसे लोगों की आवश्यकता होती है और क्यों (1)

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। प्रतिभा से संबंधित मान्य होंगे। (1)

खण्ड ख

2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर **80-100** शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए- (5)

(क) जब आवे संतोष धन सब धन धूरि समान

(ख) मेज़ पर रखी कलम

(ग) राष्ट्र सेवा सर्वोत्तम सेवा

(घ) मेरा प्रिय लेखक

3 बस में छूटे समान का पता लगाने के लिए गुजरात परिवहन निगम के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए । (5)

अथवा

स्कूल जाने की उम्र में बच्चों को काम करते और भीख माँगते देखकर आपको कैसा लगता है अपने विचारों को किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

4 'नई फिल्म के दर्शक नदारद' अथवा 'युवाओं में बढ़ते मोटापे के कारण उपाय' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए । (3)

5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए
(क) समाचार लेखन में छह ककार कौन से हैं (1)
(ख) उल्टा पिरामिड शैली का आशय स्पष्ट कीजिए। (1)

खण्ड ग

6 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए
सबसे तेज़ बौछारें गईं भादों गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नई साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर ज़ोर से

चमकीले इशारों से बुलाते हुए और

आकाश को इतना कोमल बनाते हुए

कि पतंग ऊपर उठ सके

दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज़ उड़ सके

बाँस की पतली कमानी उड़ सके

कि शुरू हो सके सीटियों किलकारियों और

तितलियों की इतनी नाज़ुक दुनिया

(क) कवि ने प्रातःकाल का वर्णन किस प्रकार किया है (2)
(ख) शरद ऋतु के सौन्दर्य का उल्लेख कीजिए। (2)
(ग) तितलियों की इतनी नाज़ुक दुनिया से क्या आशय है (2)
(घ) काव्यांश की अलंकार योजना को स्पष्ट करें । (1)

7 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए 3×3 = 9
(क) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि की मनोदशा पर टिप्पणी कीजिए।
(ख) भगत जी के किन गुणों से आप प्रभावित हुए हैं और क्यों उदाहरण सहित उत्तर लिखिए।
(ग) भक्तिन महादेवी से सुरक्षा पा रही थी या उन्हें सुरक्षा दे रही थी तर्क सहित उत्तर दीजिए।
(घ) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता के आधार पर उन स्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण पथिक जल्दी चलता है।

8 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के माध्यम से लेखक ने वर्तमान जीवन धारा का सही चित्रण किया है। कथन के आलोक में प्रकाश डालिए। (4)

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी में एक ओर स्थिति को ज्यों का त्यों स्वीकार लेने का भाव है तो दूसरी ओर अनिर्णय की स्थिति भी है। कहानी में निहित द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए।